

टीका तो री माता धरया री भवन मे

टीका तो री माता धरया री भवन में,
बिंदी उलझ गयी बाला में हे री अम्बे जगदम्बे माता,
सो गई लिपट पहाड़ा में हे री अम्बे जगदम्बे माता....

बाली तो री माला धरी ही भवन में,
झुमके के उलझ गए बाला में हे री अम्बे जगदम्बे माता,
सो गई लिपट पहाड़ा में री अम्बे जगदम्बे माता.....

नथली तो री माता धरी भवन में,
कोका उलझ गया बाला में हे री अम्बे जगदम्बे माता,
सो गई लिपट पहाड़ा में री अम्बे जगदम्बे माता....

माला तो री माला धरी ही भवन में,
हार के उलहझ गया बाला में हे री अम्बे जगदम्बे माता,
सो गई लिपट पहाड़ा में री अम्बे जगदम्बे माता....

चूड़ा तो री माला धरा ही भवन में,
हो कंगना उलहझ गए बाला में हे री अम्बे जगदम्बे माता,
सो गई लिपट पहाड़ा में री अम्बे जगदम्बे माता....

पायल तो री माला धरी ही भवन में,
हो बिछुए उलहझ गए बाला में हे री अम्बे जगदम्बे माता,
सो गई लिपट पहाड़ा में री अम्बे जगदम्बे माता.....

<https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/26867/title/tika-to-ri-mata-dharya-ri-bhawan-me>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |